शेर और मेमना

बारबरा ब्रेनर

चित्र: ब्रूस डेगेन

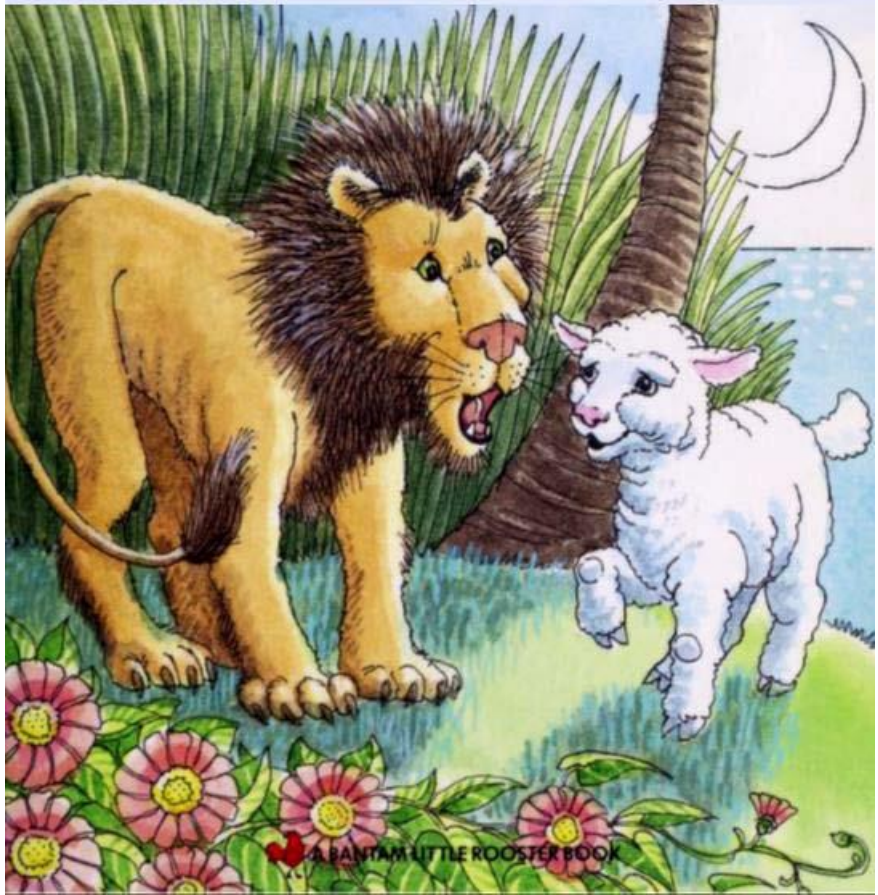

शेर और मेमना

बारबरा ब्रेनर

चित्र: ब्रूस डेगेन

विषयवस्तु

शेर और मेमना

पार्टी

भूत

शेर और मेमना

मेमना एक किताब पढ़ रहा था.

और शेर उसे घूर रहा था.

"मैं उस मेमने को डरा सकता हूँ,"

शेर ने खुद से कहा.

"दहाड़!" शेर गुर्राया.

लेकिन मेमने ने ऊपर सिर तक नहीं उठाया.

"दहाड़! दहाड़!"

मेमने ने फिर भी ऊपर नहीं देखा.

"दहाड़!" अंत में शेर बहुत जोर से गुर्राया.

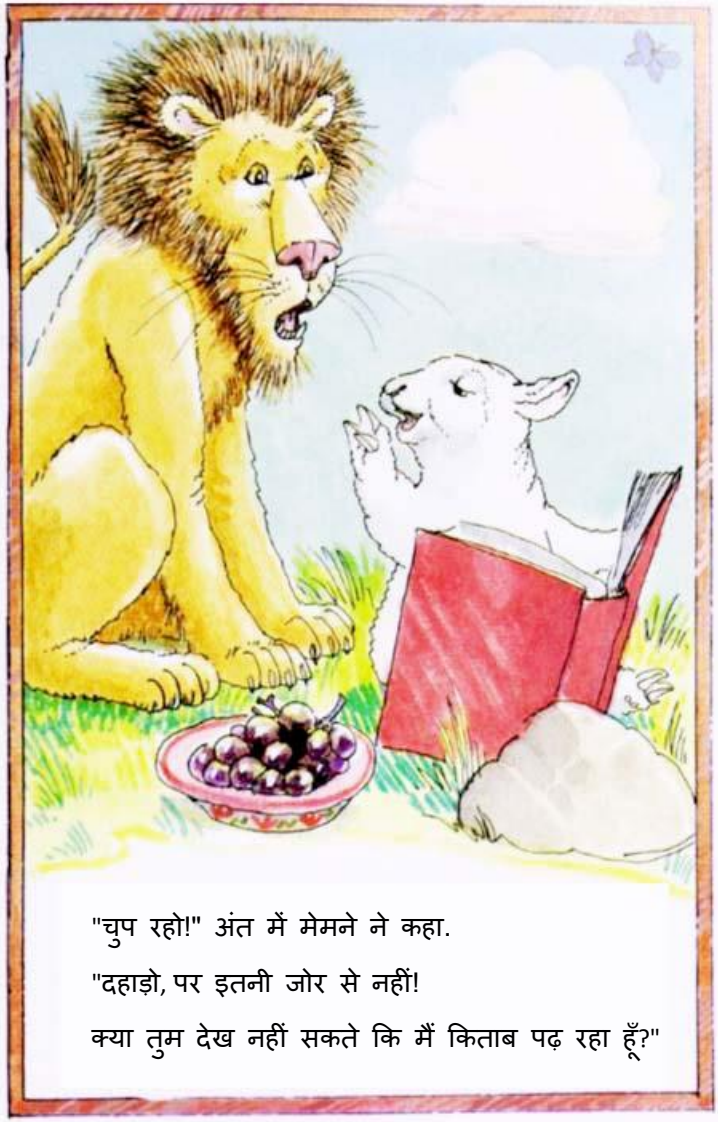

"चुप रहो!" अंत में मेमने ने कहा.

"दहाड़ो, पर इतनी जोर से नहीं!

क्या तुम देख नहीं सकते कि मैं किताब पढ़ रहा हूँ?"

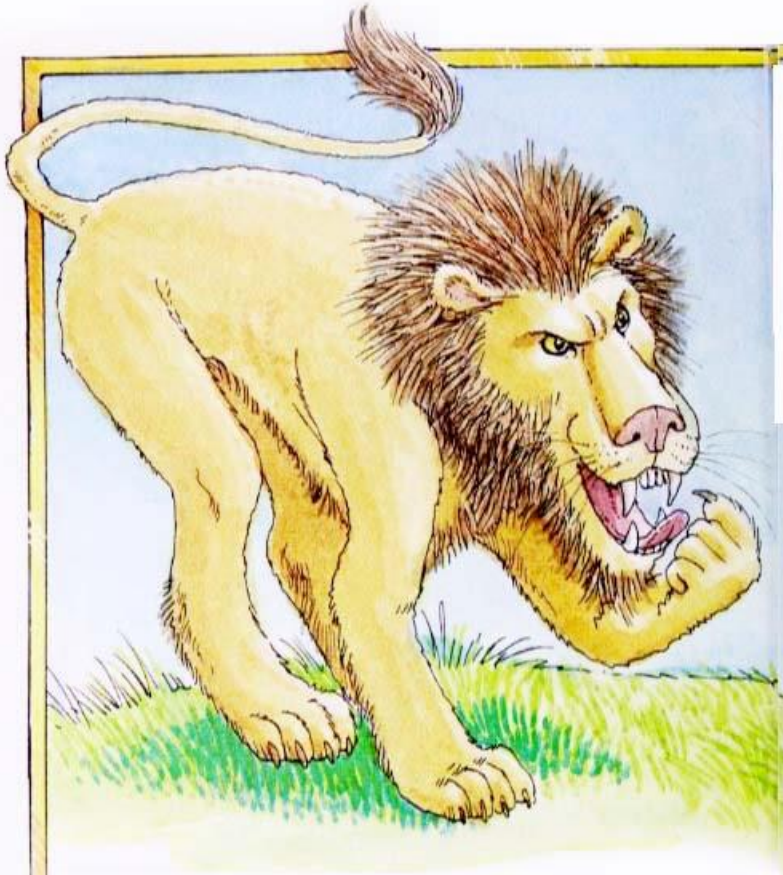

"मैं भी तुम्हें काट सकता हूँ," मेमने ने कहा.

"शेर तुम्हें खा सकता है," शेर ने कहा.

"चुप रहो!" मेमने ने कहा.

"यहाँ से चले जाओ. मैं अभी व्यस्त हूँ."

“जब शेर दहाड़ता है तो तुम्हें डरना चाहिए,"

शेर ने कहा.

"क्यों?" मेमने ने पूछा.

"क्योंकि शेर तुम्हें काट सकता है."

शेर ने अपना मुँह खोला
और अपने दांत दिखाए.
"देखो, मेमने," शेर ने कहा.
"मेरा डरावना चेहरा देखो."

मेमने ने अपनी किताब से ऊपर देखा.
"ठीक है. कोई बात नहीं."
"क्या तुम्हें उससे डर नहीं लगता?" शेर चिल्लाया.
"नहीं, मुझे वो पसंद हैं," मेमने ने कहा.
"और तुम भी मुझे पसंद हो."

"परन्तु मेमनों को शेरों से ज़रूर डरना चाहिए."

"लेकिन यह मेमना नहीं डरता है," मेमने ने कहा.

"तुम्हें बिल्कुल भी डर नहीं लगता?"

"नहीं," मेमने ने कहा.

"सच में," शेर ने विनती की.

"तुम मुझे मूर्ख नहीं बना सकते," मेमने ने कहा.

"असल में तुम एक बिल्ली हो."

वो सुनकर शेर का रोने का मन करा.

"तुम किसी को बताओगे तो नहीं?" शेर ने पूछा.

"किसको?" मेमने ने पूछा.

"अन्य जानवरों को.

वे नहीं जानते कि मैं एक बिल्ली का बच्चा हूँ."

"मैं उन्हें नहीं बताऊंगा," मेमने ने कहा.

"मैं उसे एक रहस्य ही रखूंगा."

"क्या इसका मतलब यह है कि अब हम दोस्त हैं," शेर ने कहा.

"हम अभी और हमेशा के लिए दोस्त रहेंगे," मेमने ने कहा.

"अब क्या तुम मुझे पूरी किताब पढ़ने दोगे."

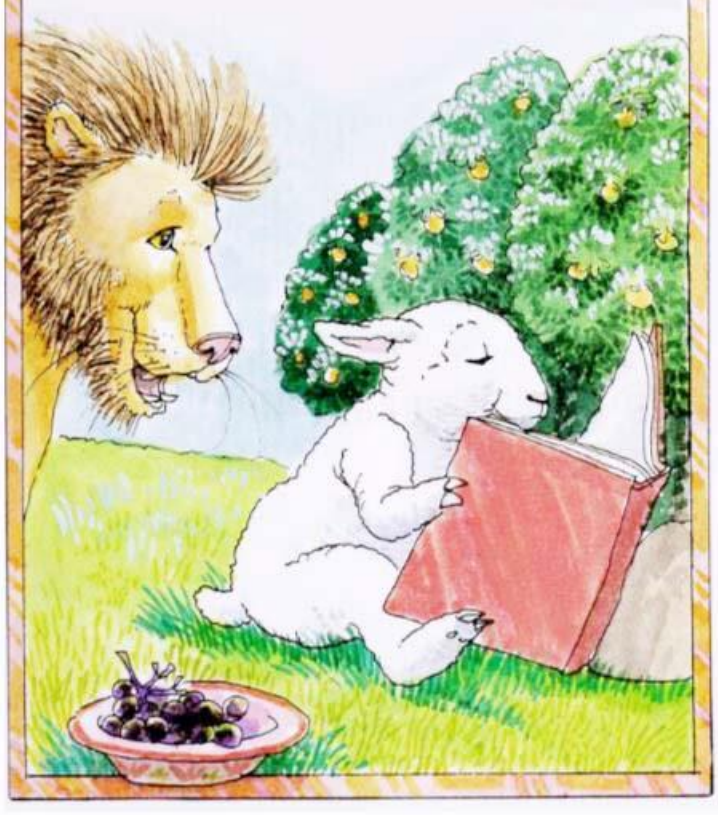

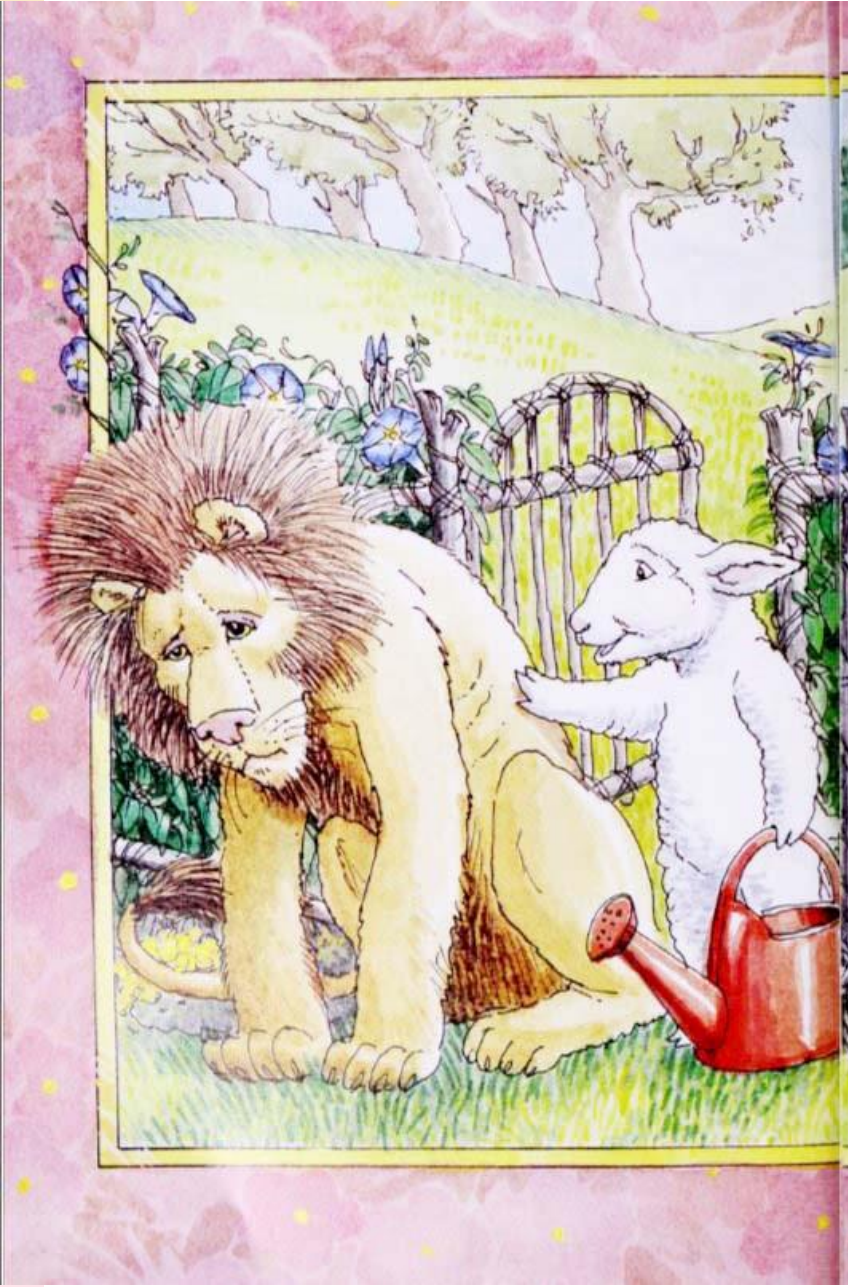

पार्टी

शेर उदास लग रहा था.

"आज के दिन," शेर ने कहा.

"आज मेरा जन्मदिन है."

"ओह, शेर! जन्मदिन मुबारक हो!" मेमने ने कहा.

"धन्यवाद. लेकिन वो कोई ख़ुशी की बात नहीं है."

मेमने ने कहा, "जन्मदिन खुशियों से भरा होना चाहिए."
"तुम्हें उस ख़ुशी में एक पार्टी रखनी चाहिए."
"मैं वो नहीं कर सकता," शेर ने कहा.
"क्यों नहीं?" मेमने ने पूछा.
“क्योंकि मेरी पार्टी में कोई नहीं आएगा.
हर कोई मुझसे डरता है कि मैं उस पर हमला करूंगा."

“क्या तुम झपट्टा मारोगे?” मेमने ने पूछा.
"बिल्कुल नहीं. मैं कभी झपट्टा नहीं मारूंगा."
लेकिन वो हमारे बीच का रहस्य है."

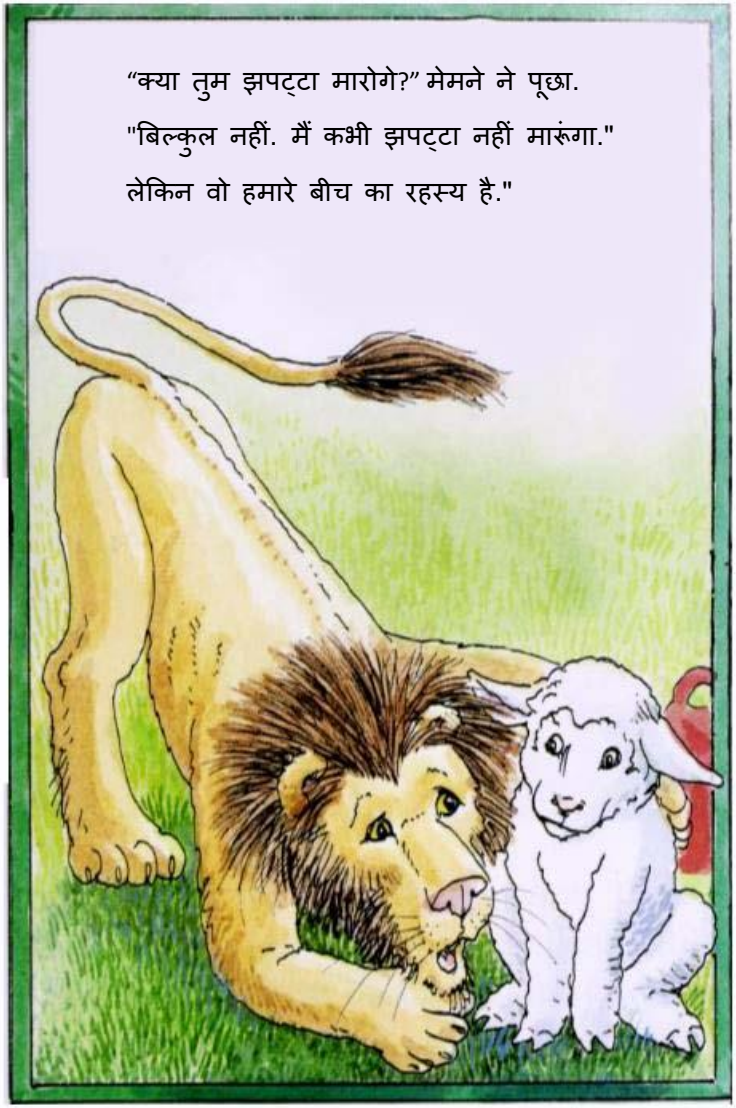

"चिंता मत करो, बिलौटे," मेमने ने कहा.

“बस तुम चार बजे मेरे घर आना.”

मेमने ने शेर को एक पुच्ची दी और फिर वो चल दिया.

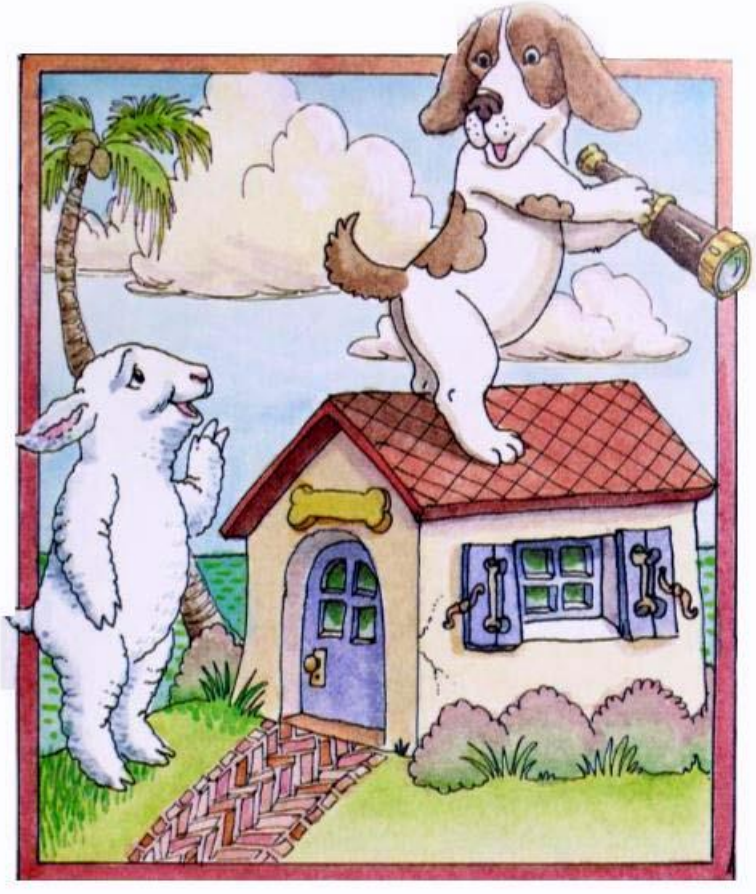

वो सबसे पहले कुत्ते के घर गया.

कुत्ता छत पर खड़ा था.

मेमने ने उसे बुलाया,

"कुत्ते, क्या तुम आज एक पार्टी में आ सकते हो?"

"वो पार्टी किस ख़ुशी में है?" कुत्ते ने पूछा.

मेमना प्यार से मुस्कुराया.

"देखो, वो एक आश्चर्य है," उसने कहा.

"फिर मैं ज़रूर आऊंगा," कुत्ते ने कहा.

"मुझे आश्चर्य पसंद हैं."

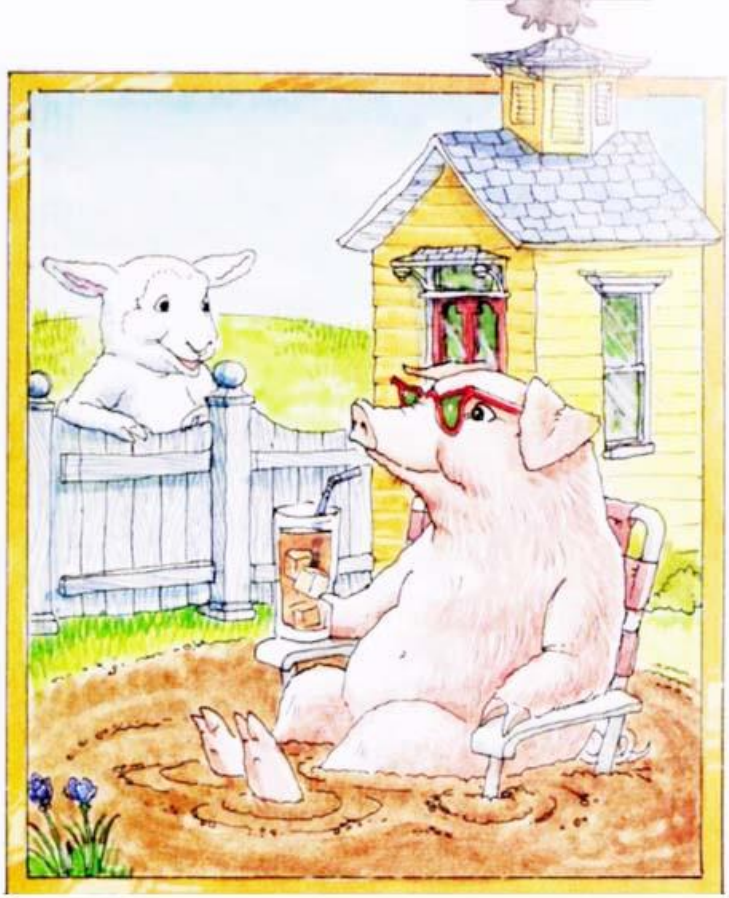

उसके बाद मेमना तेजी से सुअर के घर गया.

सुअर बाहर कीचड़ में बैठा हुआ था.

"सुअर, क्या तुम आज सरप्राइज़ पार्टी में आ सकते हो?" मेमने ने पूछा.

"मैं आ सकता हूँ," सुअर ने कहा.

"लेकिन उसमें कौन आश्चर्यचकित होगा?"

"तुम खुद," मेमने ने कहा.

"फिर तुम साढ़े तीन बजे ज़रूर जाना."

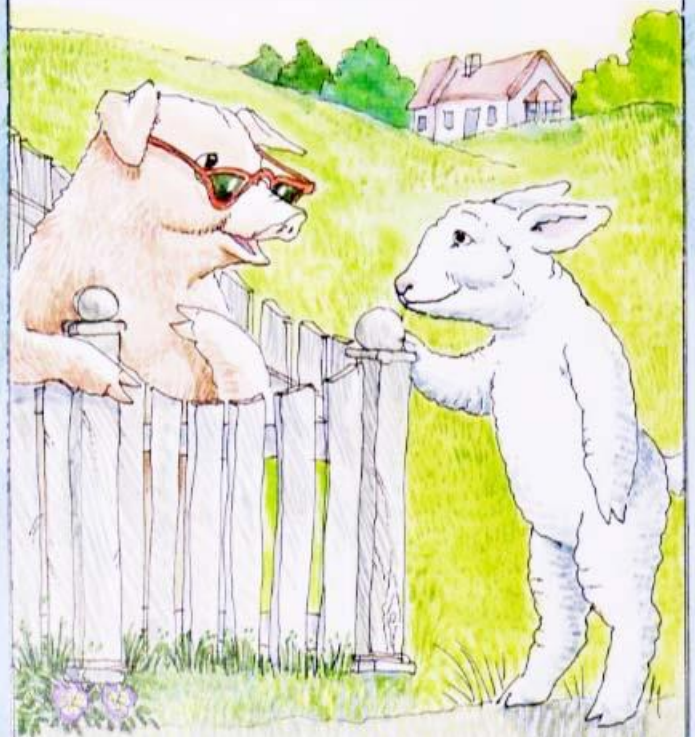

मेमने का अगला पड़ाव लोमड़ी का घर था.

"लोमड़ी, मेरे घर पर आज एक आश्चर्यजनक पार्टी है," उसने कहा.

"क्या तुम आओगे?"

लोमड़ी ने कहा, "मैं आऊंगा."

"लेकिन वहां और कौन-कौन होगा?"

"तुम मेहमानों को देख आश्चर्यचकित रह जाओगे!" मेमने ने कहा.

मेमने को एक और जगह गया.

उसने दुकान से एक केक खरीदा

और मोमबत्तियाँ और कागज़ की टोपियाँ भीं.

फिर वो बाकी तैयारी करने के लिए जल्दी से घर गया.

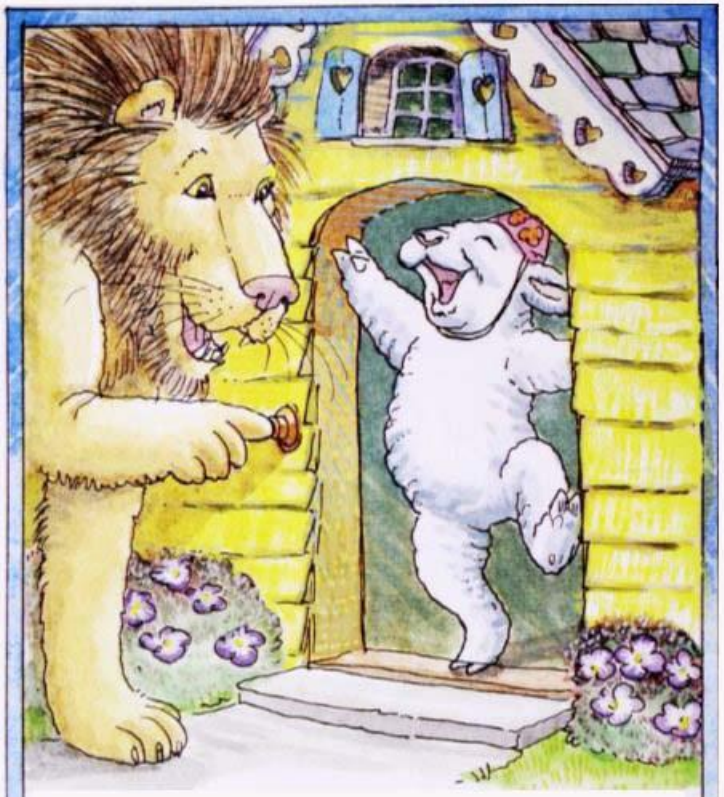

शेर, मेमने के घर पहुँचा

चार बजे—एकदम ठीक समय पर.

उसने दरवाजे की घंटी बजाई.

मेमने ने दरवाज़ा खोला.

"आश्चर्य!" मेमना चिल्लाया.

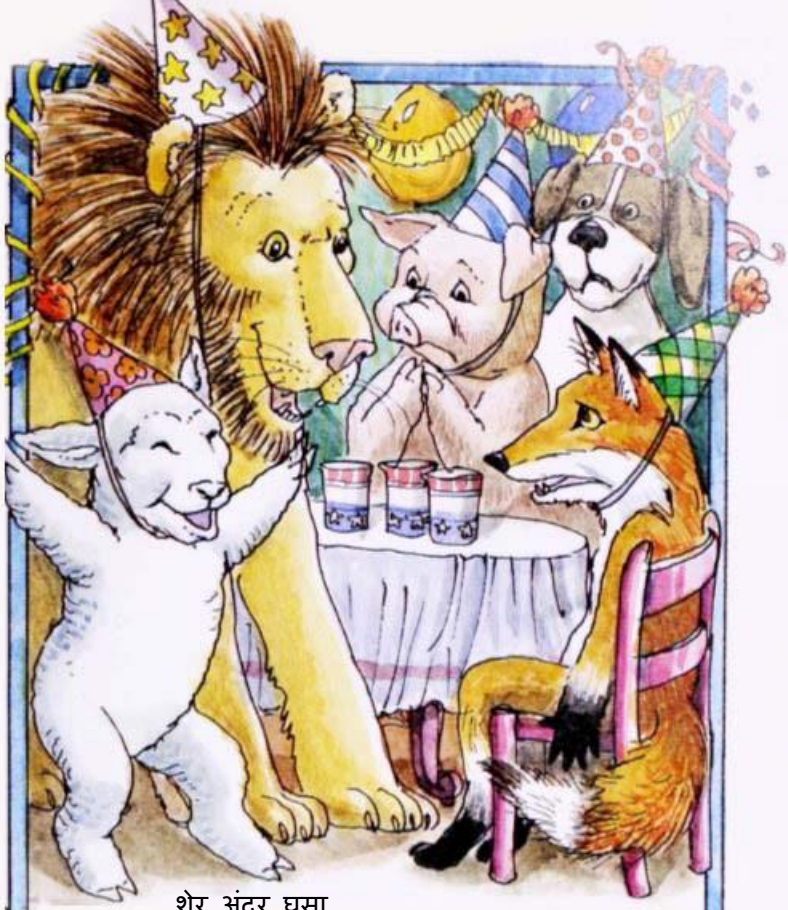

शेर अंदर घुसा.

वहाँ कुत्ता और सुअर और लोमड़ी पहले से ही मौजूद थे.

वे जन्मदिन पार्टी की टोपी पहने हुए थे.

और क्या वे डरे हुए थे!

"यह एक अच्छा आश्चर्य है," शेर ने कहा.

"क्या सच में?" कुत्ते ने पूछा.

सुअर ने कहा, "मेमने ने हमें नहीं बताया कि आप आज के आश्चर्य होंगे."

"क्या तुम हम पर झपटने वाले हो?" लोमड़ी ने पूछा.

"शेर कभी भी, अपने जन्मदिन पर झपट्टा नहीं मारते!" मेमना चिल्लाया.

"और आज शेर का जन्मदिन है.

तो चलो हम सब मिलकर हैप्पी बर्थडे गाएं.

फिर हम केक काटेंगे."

भूत

देर रात एक नारियल के पेड़ के नीचे
शेर और मेमना बैठे थे.
वे खुद से कहानियाँ बना रहे थे.

मेमने ने कहा, "मुझे भूतों की कहानियाँ पसंद हैं."

"सच में?" शेर ने पूछा.

"हाँ, मुझे वो पसंद हैं," मेमने ने कहा.

"मुझे डरावनी कहानियां बहुत पसंद हैं."

पर शेर ने कहा, "भूत की कहानियाँ मूर्खतापूर्ण होती हैं."

"क्या तुम्हें भूत की कहानियों से डर लगता है?" मेमने ने पूछा.

"शेर डरते नहीं हैं," शेर ने कहा.

मेमने ने कहा, "भूतों की कहानियाँ मुझे डराती हैं, लेकिन फिर भी मैं उन्हें पसंद करता हूँ."

"वे कहानियां मूर्खतापूर्ण होती हैं," शेर ने फिर कहा.

"अगर तुम्हें भूत की कहानियों से डर नहीं लगता है, तो फिर मैं तुम्हें एक कहानी सुनाऊंगा," मेमने ने कहा.

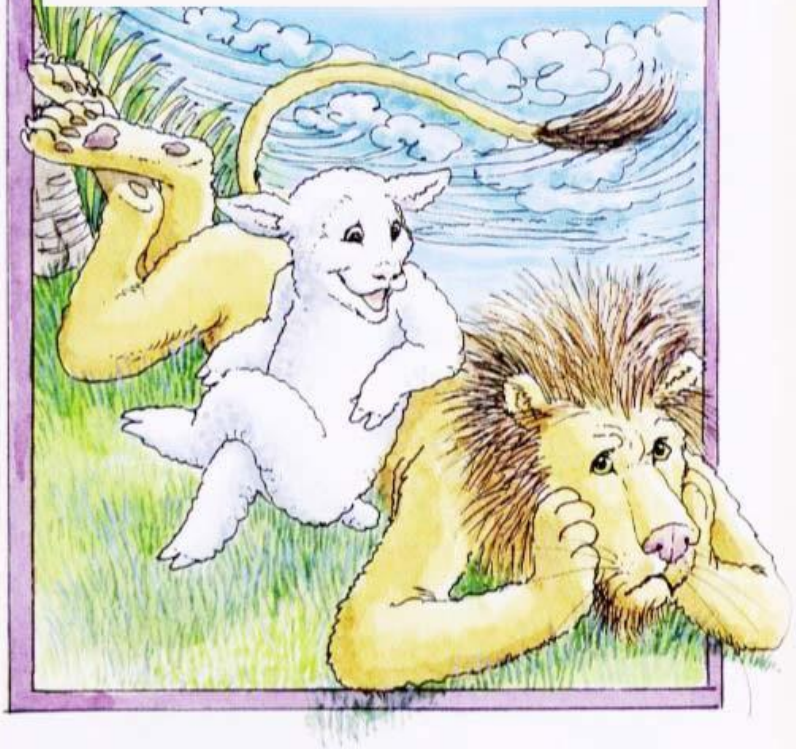

"वो एक काली रात की बात है."

"क्या वो आज जैसी ही अंधेरी रात थी?" शेर ने पूछा.

"वो एक अंधेरी रात थी और तेज़ हवा चल रही थी,
बिल्कुल आज जैसे ही," मेमने ने कहा.

फिर शेर ने अपनी पूँछ अपने पैरों के बीच में दबा ली.

“दो बंदर एक पेड़ के नीचे बैठे थे," मेमने ने कहा.

“क्या वो ऐसा ही ऊँचा नारियल का पेड़ था?”
शेर ने पूछा.

"हाँ, बिल्कुल ऐसा ही," मेमने ने कहा.

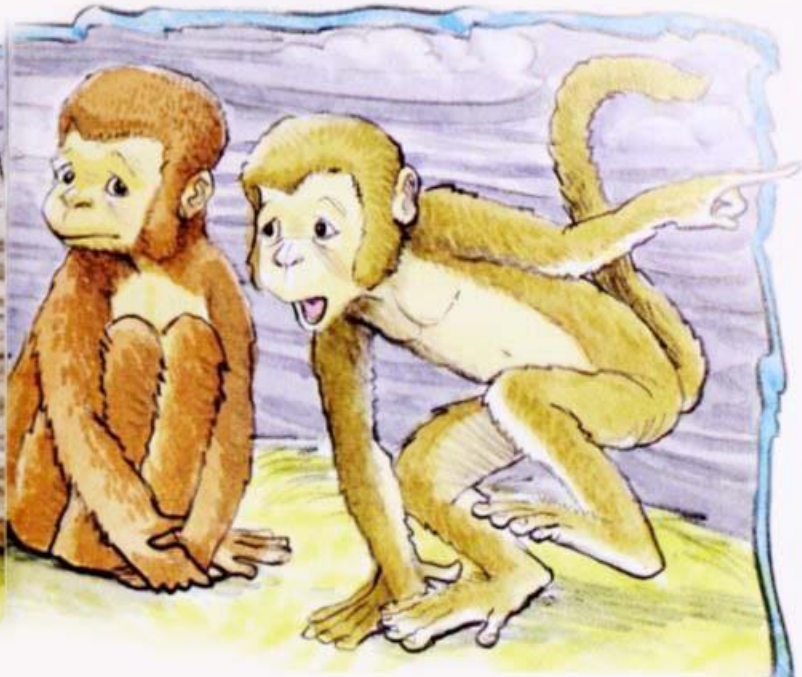

"पेड़ के बीच से हवा चली.

बंदरों को एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी."

"कैसी आवाज़?" शेर ने पूछा.

"एक अजीब सी कराहने की आवाज़," मेमने ने कहा.

"जैसे कोई रो रहा हो?" शेर ने पूछा.

"हाँ," मेमने ने कहा. फिर शेर मेमने के करीब आ गया.

मेमने ने कहा, "दोनों बंदरों ने चारों ओर देखा."

"लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला.

फिर कराहने की आवाज़ और तेज़ हो गई.

ऐसा लग रहा था जैसे वो और करीब आ गई हो.

एक बंदर ने कहा, "चलो यहाँ से भाग चलें!"

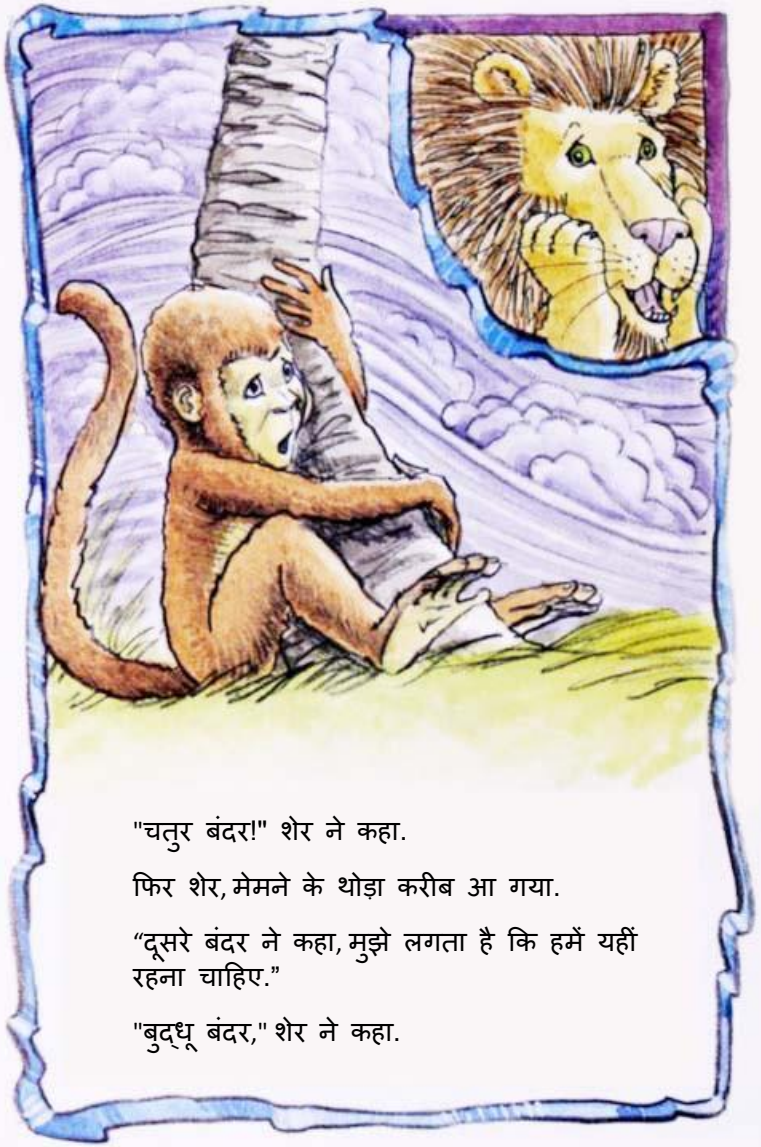

"चतुर बंदर!" शेर ने कहा.

फिर शेर, मेमने के थोड़ा करीब आ गया.

“दूसरे बंदर ने कहा, मुझे लगता है कि हमें यहीं रहना चाहिए.”

"बुद्धू बंदर," शेर ने कहा.

मेमने ने अपनी कहानी जारी रखी.

"एक बंदर भागना चाहता था - लेकिन अकेले नहीं.

एक बंदर वहीं रहना चाहता था - लेकिन अकेले नहीं.

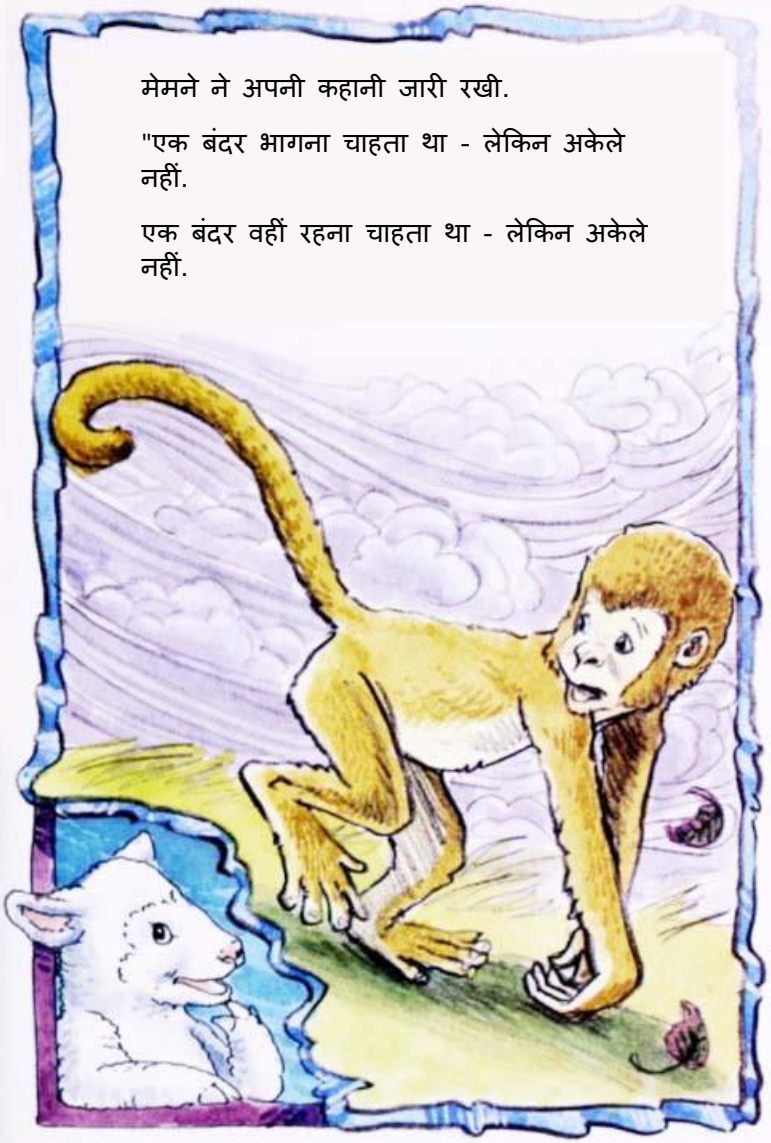

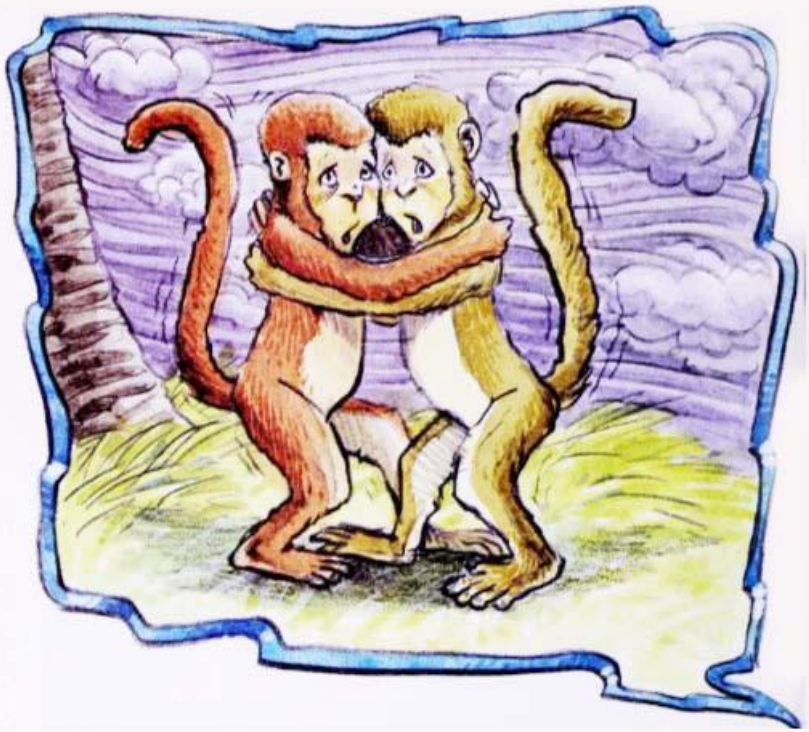

कराहने की आवाज बहुत करीब आ गई.

वो आवाज़ उनके चारों ओर थी.”

"वो बहुत करीब आ रही है," वो बंदर चिल्लाया जो रुकना चाहता था.

"वो बिल्कुल पास में है," दूसरा बंदर चिल्लाया जो भागना चाहता था.

फिर दोनों बंदर एक-दूसरे से लिपट गए और कांपने लगे.

शेर ने अपना पंजा मेमने के पंजे पर रख दिया.

हवा ने नारियल के पेड़ के पत्ते हिलाए.

"मैं कराह सुन सकता हूँ!" शेर ने कहा.

"वो आवाज़ ठीक यहीं पर है!"

फिर शेर इतनी तेजी से उछला

कि उसने मेमने को नीचे पटक दिया.

तभी एक बहुत बड़ा नारियलपेड़ से नीचे गिरा.

धम्म!

नारियल वहां गिरा जहाँ मेमना बैठा था.

"शेर, धन्यवाद," मेमने ने कहा.

"तुमने ठीक समय पर मुझे धक्का दे दिया.

तुम वाकई एक चतुर शेर हो."

"हाँ मुझे लगता है कि मैं चतुर हूं," शेर ने कहा.

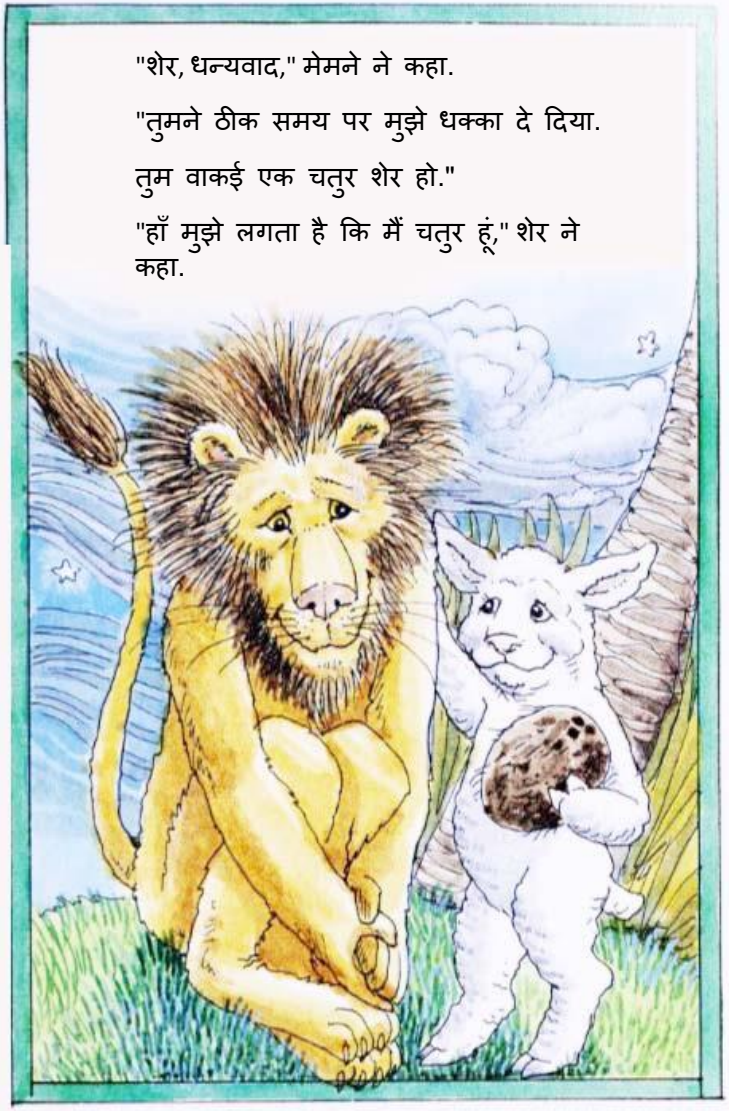

“अब क्या तुम बाकी भूत की कहानी भी सुनना चाहोगे?" मेमने ने पूछा.

"नहीं," शेर ने कहा.

"भूत की कहानियाँ खतरनाक होती हैं."